अनुक्रमणिका

अनु क्र० **पुष्टक्र०**

घोषणा-पत्र

आभार

प्रस्तावना **6-12**

साहित्य पुनरावलोकन

शोध के उद्देश

शोध की सीमा

शोध प्रविधि

शोध की समस्या

शोध की उपकल्पना

प्रथम अध्याय **13-18**

संचार शब्द का अर्थ एवं परिभाषा

1.1 संचार शब्द का अर्थ

1.2 संचार की परिभाषा

1.3 दूरसंचार क्या है

1.4 जनसंचार क्या है

अनुक्रमणिका

अनु क्र०	पुष्ठक्र०
द्वितीय अध्याय	**19-39**
जनसंचार माध्यम	
2.1 प्रिंट मीडिया	
2.2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया	
2.3 बाह्य माध्यम	
2.4 विज्ञापन	
2.5 सोशल मीडिया	
तृतीय अध्याय	**40-55**
मोबाइल फोन का आविष्कार और भारत में आगमन	
3.2 मोबाइल उपभोक्ताओ कि संख्या	
3.3 मोबाइल नेटवर्क / पीढ़ी	
3.4 इन्टरनेट का इतिहास	
3.5 भारत में इन्टरनेट	
चतुर्थ अध्याय	**56-73**
4.1 अध्ययन में सम्मिलित प्रश्नो का विश्लेषण	
निष्कर्ष	
सुझाव	
संदर्भ	
परिशिष्ट	

प्रस्तावना

21 वी सदी को यांत्रिक युग माना जाता है और हो भी क्यों न हम अपने दैनंदिन जीवन में एक दिन में इतने यत्रों का उपयोग करते है की मानो ये यंत्र हमारे जैसे पारंपरागत यंत्र ही है और यही 21 वी सदी का यांत्रिक युग होने का सबसे बड़ा प्रमाण है। मानव के उत्पत्ति के साथ ही संचार की भी उत्पति हो गई थी। एक जमाना था जब पत्रो के माध्यम से संचार किया जाता था या फिर किसी संकेत के माध्यम से संचार किया जाता था जिसमें संचार बहुत ही धीमी गति से होता था। दुनिया के विकास के साथ ही संचार और संचार माध्यमों का भी विकास होता गया वर्तमान समय में संचार के कई माध्यम है जो कम समय और कम लागत में सूचना और संदेश का आदान प्रदान भी करते है। विज्ञान दिन प्रति दिन प्रगति कर रहा है। रोजाना बाजार में हमारी सुख सुविधा के लिए ऐसी चीजे या यंत्र आ रहे है जिस की हम कल्पना भी नहीं कर सकते है। आज संचार के कई ऐसे माध्यम भी है जो संचार के सभी प्रकारो में पूरी तरह फिट बैठते है और इनमें से एक है मोबाईल..... 1997 में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के गठन से स्थिति बदली और दूरसंचार क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश का रास्ता खुल गया। सरकार के इस निर्णय से दूरसंचार के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आया और सन 2000 के आते आते मानो मोबाईल ने जनसंचार के क्षेत्र में क्रान्ति ही लादी है। वर्तमान समय में संचार के तरीको में परिवर्तन लाने के लिए मोबाईल को एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखा जाता है। शुरुआत में मोबाइल का उपयोग केवल संचार के लिए ही होता था परंतु जबसे मोबाइल के साथ इन्टरनेट काजुड़ाव हुआ है तबसे मोबाइल का उपयोग और उपयोग का तरीका बदल ही गया है। अब मोबाइल का उपयोग केवल संचार के लिए ही नहीं होता है बल्कि जनसंचार के लिए भी होता है। समाचार , मनोरंजन , खेल के साथ साथ सरकारी योजनाओं की भी जानकारी और सूचनाओं को भी मोबाईल के सहायता से लोगो तक पहूँचाया जा रहा है। सोशल मीडिया के जुड़ाव से यह स्थिति ऐसी हो गई मानो सोने पे सुहागा हो हर दिन एक नए एप्स को लॉन्च किया जा रहा है जिसे मोबाईल से संचार से जनसंचार की और तेजी से बढते ही जा रहे है। मोबाइल मल्टी मीडिया वेब पिछले कुछ दिनों से नाटकीय रूप से बदलसा गया है। जबसे बाजार में स्मार्टफोन ,टेबलेट्स और

एण्ड्रोइड जैसे मोबाइल के विविध रूप आए है , बड़ी आकार की स्क्रीन को ध्यान में रखा है और एक सक्षम ग्रेट वेब ब्राउज़र रूप दिया है , इसके अलावा इन उपकरणो की अधिकतर लोगोकों जानकारी करना बहुत ही आसान हो गया है। फोर्तुनाती के अनुसार मीडिया टाइजेशन (mediatazation) के परिणाम इंटरनेट एक जनमध्यान बन गया है।

मोबाइल फोन की बात की जाए तो जी एस एम(GSM) से लेकर 2G, 3G, और 4G, के विकास में मीडिया टाइजेशान विकास के संकेत के रूप में देखा गया है। डिजिटल फोन फेसबूक,ट्विटर, लिंकइन, वाट्सअप, व्हिचाट , टेलीग्राम , हाइक जैसे सोशल मीडिया को कनेक्ट करने की क्षमता होने के कारण जुड़ाव की प्रवृति को मजबूत कर रहा है। मोबाइल निजी व्यक्तियों, समूह, और समुदाय में प्राप्त और साझा व्यक्तिगत सामाजिक और मीडिया सामग्री के तौर पर मोबाइल मल्टी मीडिया की संभावना बढ़ गई है। इस तरहा मोबाइल फोन दोनों सोशल नेटवर्क से जुड़े होने के और विस्तार तकनीकी साधन की प्रक्रिया प्रदान कर रहा है। इसके अलावा एण्ड्रोइड मोबाईल फोन पर अन्य माल्टी मीडिया कार्य सोशल मीडिया साईडो के लिए इंटरनेट सामग्री का उत्पन्न इन्टरनेट ब्राउज़ करने के लिए , संगीत और वीडियो डाऊनलोड टीवी प्रसारण एक सामाजिक और जनमाध्यम दोनों के आयामो सहभागी सीध हो रहा है। हालांकि इनमें सबसे हैरान करदेने वाला मोबाइल टीवी का विकास है। प्रत्येक वर्ष 17 मई को विश्व दूरसंचार दिवस मनाया जाता है । आधुनिक युग में फोन मोबाइल और इन्टरनेट लोगोकि प्रथम आवश्यकता मे से एक बन गई है इसके बिना जीवन की कल्पना कारण बहुत ही मुश्किल हो चुका है आज यह इंसान की व्यक्तिगत जीवन से लेकर व्यावसायिक जीवन मे पूरी तरहा प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ किसीसे बात, सूचना या संपर्क साधने के लिए लोगो को काफी मशक्कत करनी पड़ती थी ,वही आज मोबाईल और इन्टरनेट ने इसे बहुत ही आसान बना दिया है। व्यक्ति कुछ ही सेकंड मे बेहद आसनीसे दोस्तो परिवार और सगे संबधियों से सम्पर्क साध सकता है। यह दूरसंचार की क्रांति है, जिसकी बदोलत भारत जैसे कुछ विकासशील देशो की गिनती भी विश्व के कुछ ऐसे देशो मे होती है, जिनकी अर्थव्येवस्था तेजि से रफ्तार पकड़ रही है। किसी भी देश के विकास मे संचार और संचार माध्यमो की अहम

भूमिका रहती है और आज हम जिस युग मे जी रहे है वह सुचना क्रांति का युग है। आज जिसे यांत्रिक युग भी कहा जाता है।

प्रस्तुत शोध द्वारा एण्ड्रोइड, मल्टीमीडिया मोबाइल और स्मार्ट फोन का विश्लेषण करने के लिए एक समज का निर्माण करना है। विकास एवं शांति अध्ययन के नजरिए से दूर संचारसे जनसंचार माध्यम तक के मोबाइल फोन के विकास का अध्ययन कर मोबाइल के उपयोग के बदलते स्वरूप और उसके प्रभाव को जानना है।

साहित्य पुनरावलोकन

जैसे की किसी भी शोध का मुख्य स्त्रोत साहित्य ही होता है साहित्य के आधार पर ही शोध को आगे बढ़ाया जाता है। प्रस्तुत शोध पर वर्तमान में साहित्य एवं पुस्तकों का अभाव है। अंत साहित्य पुनरावलोकन को इस दृष्टि से देखा जाय।

मेककिनस एंड कंपनी की रिपोर्ट

यह रिपोर्ट भारत पर इन्टरनेट के प्रभाव का परीक्षण करती है। जिसे हम विकासशील देशो पर इन्टरनेट का प्रभाव को जान सकते है ऐसे देशो के पास स्कील और गतिशीलता दोनों है आनेवाले समय में उन स्थिति को जान सकते है।

एस. एन . रॉय को फ़ाउडर एवं डाइरेक्टर लावा मोबाइल की रिपोर्ट

इस रिपोर्ट मे भारतीय मोबाइल कंपनी के मोबाइल बाजार मे प्रभाव को बताती है साथ ही इन्टरनेट और स्मार्ट फोन के प्रभाव को भी बताती है।

1.3 शोध के उद्देश

शोध कार्य निश्चित उद्देश निम्नलिखित है जो इस प्रकार है ।

- संचार के क्षेत्र में मोबाइल की वर्तमान स्थिति।
- जनसंचार माध्यम के रूप में मोबाइल के उपयोग की आवश्यकता।
- जनसंचार माध्यम के रूप में मोबाइल के प्रभाव को जानना।
- इन्टरनेट और सोशल मीडिया के जुड़ाव से मोबाइल के माध्यम से हो रहे जनसंचार के प्रभाव को जानना।